मेंटल हेल्थ केयर को हेल्पलाईन शुरू

● मुख्यमंत्री शील दीक्षित ने किया उद्‌घाटत

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। देश में दिन रात मेन्टल हेल्थ हेल्पलाइन चलाने वाले मानसिक स्वास्थ्य पहल भारत के वनद्रेवाला फाउंडेशन ने आज नई दिल्ली में हेल्पलाइन परिचालन की शुरूआत की है। यह शुरूआत दि इमानुएल हॉस्पीटल एसोसिएशन, सेंट स्टीफन हास्पीटल और मार थोमा चर्च के साथ मिल कर गई है। दि. इमानुएल हास्पीटल एसोसिएशन के उत्तर और उत्तर पूर्व भारत में 30 से ज्यादा अस्पताल हैं। इसके अलावा, कई और हेल्थकेयर पहल ने शहर की प्रमुख संस्था सेंट स्टीफेंस हास्पीटल के साथ मिलकर जागरूकता अभियान चलाने के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े धाब्बे को खत्म करने के लिए सक्रियता से काम करने का निर्णय लिया है। सेंट स्टीफेंस हॉस्पीटल दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों में एक हैं जो हरेक वर्ग के लोगों के हेल्थकेयर के प्रति समर्पित है।

हेल्पलाइन नंबर 1860 266 2345 का उद्‌घाटन दिल्ली की माननीय शीला दीक्षित ने किया और इसे दिल्ली व उत्तर भारत की सेवा के लिए समर्पित किया। बनद्रेवाला फाउंडेशन के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट डॉ अरुण जॉन ने बताया कि दि सायरस और प्रिया वंद्रवाला फाउंडेशन एक लोकोपकारी सामाजिक उपक्रम हैं जिसका लक्ष्य जरूरतमंद लोगों के जीवन में स्थायी अंतर लाना है। वनद्रेवाला फाउंडेशन कई उद्देश्यों पर फोकस कर रहा है और इनमें मानसिक स्वास्थ्य, डिसलेक्सिया और मल्टीपल सिलेरोसिस शामिल हैं। सायरस वनद्रेवाला और प्रिया हीरानंदानी वनद्रेवाला ने अपने फाउंडेशन की स्थापना अपनी लोकोपकारी गतिविधियों के एक साधन के रूप में की थी। फाउंडेशन ने अगस्त 2009 में अपनी मेन्टल हेल्थ पहल की शुरूआत की थी और किसी भी रूप में मानसिक परेशानी के शिकार लोगों को व्यावसायिक तौर पर 24ग7 चलाई जाने वाली अपनी हेल्पलाइन के जरिए निशुल्क सहायता और समर्थन मुहैया कराता है। उन्होंने आगे कहा, मानसिक स्वास्थ्य हमारे देश की सबसे आवश्यक परिसंपत्ति है और इसकी रक्षा जरूरी है। मानसिक हेल्थ के मामले में लोगों को अक्सर मालूम होता है कि उन्हें सहायता की जरूरत है पर यह नहीं पता होता है सहायता मिलेगी कहां। अपनी हेल्पलाइन के जरिए हम इसी खाली जगह को पाटना चाहते हैं।

इमैनुएल हॉस्पीटल एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक डॉ मैथ्यू संतोश ने कहा, यह सुविधा दिल्ली और एनसीआर में कइयों के लिए बेहद उपयोगी होगी और इसमें एक ऐसी सेवा के रूप में बढ़ने की संभावना है जो उत्तर और उत्तर पूर्व भारत के अन्य राज्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकेगी। भारत में मानसिक स्वास्थ्य का बोझ बढ़ रहा है और ऐसे में यह सुविधा सही समय पर शुरू हुई है। सेंट स्टीफेंस हास्पीटल के डायरेक्टर डक्र सुधीर जोसेफ ने कहा, हमारे शहर में कौनसेलिंग और साइकियैट्रिक सेवाओं की आवश्यकता बहुत गंभीर है। अन्य बीमारियों के साथ मानसिक बीमारी कम महत्त्वपूर्ण हो जाती है। सिर्फ परीक्षा के समय छात्र जब निराशा में गंभीर कदम उठाते हैं तो आधुनिक समय के तनावों का पता चलता है। हालांकि, यह सहायता की जरूरत वालों का एक बहुत ही छोटा हिस्सा है। ज्यादातर लोग नहीं जानते कि सहायता के लिए कहां जाना है जबकि कइयों के लिए काउंसलिंग के एक सत्र की ही आवश्यकता होती है। ऐसे लोगों को थोड़ी सी जानकारी और सहायता के लिए दिशा-निर्देश की आवश्यकता होती है। जिन लोगों को ज्यादा सघन या लंबे समय की थैरापी की आवश्यकता होती है उनके लिए साइकियैट्रिस्ट की सेवाएं आवश्यक होती हैं। सेंट स्टीफंस हॉस्पीटल को इस नए उपक्रम का साझेदार बनने पर खुशी है।